INTERMEDIATE EXAMINATION – 2022 (ANNUAL)

Model Set

Sub. Code. – 108/208/308

LL-Maithili (Compulsory)

भाषा साहित्य–मैथिली (अनिवार्य)

[Time : 03 Hrs. 15 Minutes] **[Full Marks : 100]**

समय – 03 घंटा 15 मिनट **पूर्णांक – 100**

Total number of questions – 100 + 20 =120

कुल प्रश्नों की संख्या – 100 + 20 = 120

I.Sc., I.Com. & I.A. – MAITHILI

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :–

1. परीक्षार्थी OMR उत्तर पत्रक पर अपना प्रश्न पुस्तिका क्रमांक (10 अंकों का) अवश्य लिखें।
2. परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।
3. दाहिनी ओर हाशिये पर दिये हुए अंक पूर्णांक निर्दिष्ट करते हैं।
4. प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़ने के लिए परीक्षार्थियों को 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है।
5. यह प्रश्न–पत्र दो खण्डों में है, खण्ड–अ एवं खण्ड–ब।
6. खण्ड–अ में 100 वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं। जिनमें किन्हीं 50 प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है। 50 प्रश्नों से अधिक का उत्तर देने पर प्रथम 50 प्रश्नों का ही मूल्यांकन होगा। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित है। इनका उत्तर देने के लिए उपलब्ध कराये गये OMR–उत्तर पत्रक में दिये गए सही विकल्प को काले/नीले बॉल पेन से प्रगाढ़ करें। किसी भी प्रकार के ह्वाइटनर/तरल

BiharboardQuestionpaper.com

पदार्थ/ब्लेड/नाखून आदि का उत्तर–पुस्तिका में प्रयोग करना मना है, अन्यथा परीक्षा परिणाम अमान्य होगा।

7. खण्ड–ब में कुल 20 विषयनिष्ठ प्रश्न हैं।

8. किसी तरह के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण का प्रयोग पूर्णतया वर्जित है।

खण्ड–अ (वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

प्रश्न संख्या 1 से 100 तक के प्रत्येक वस्तुनिष्ठ प्रश्न के चार विकल्प दिए गए हैं, जिनमें कोई एक सही है। इन 100 प्रश्नों में किन्हीं 50 प्रश्नों के अपने द्वारा चुने गए सही विकल्प को OMR–शीट पर चिह्नित करें। **(50x1=50)**

1. 'राष्ट्रीय एकताक महत्व' निबंधक लेखक छथि –

(A) मायानन्द मिश्र (B) कुमार गंगानंद सिंह

(C) भाग्यनारायण झा (D) भीमनाथ झा

2. 'सीमक लत्ती' लिखल छनि –

(A) प्रभास कुमार चौधरीक (B) उषाकिरण खानक

(C) राजकमल चौधरीक (D) ज्योतिरीश्वरक

3. मनमोहन झाक कृति 'रूना' क विधा अछि –

(A) कथा (B) कविता

(C) निबंध (D) एकांकी

4. मार्कण्डेय प्रवासीक कृति छनि –

(A) स्मृतिकण (B) ललका पाग

(C) अगस्त्यायनी (D) दुर्वाक्षत

5. 'टुटैत कीलक जाँत' रचना छनि –

BiharboardQuestionpaper.com

(A) प्रबोध नारायण सिंहक (B) दुर्गानाथ झा 'श्रीश' क

(C) मायानन्द मिश्रक (D) ललितक

6. 'जानकी–परिणय'क रचयिता छथि –

(A) हर्षनाथ झा (B) लालदास

(C) चन्दा झा (D) आरसी प्रसाद सिंह

7. 'डॉ0 सर सी0 वी0 रमण' शीर्षकक लेखक छथि –

(A) मनमोहन झा (B) परमेश्वर झा

(C) सोमदेव (D) भाग्यनारायण झा

8. मनबोध कृत 'बाल–लीला' अंश अछि –

(A) 'मिथिला–भाषा रामायण'क (B) 'पारिजात हरण'क

(C) 'कृष्णजन्म'क (D) 'गोविन्द भजनावली'क

9. ज्योतिरीश्वर रचित ऋतु–वर्णना मे वर्णन अछि –

(A) दू ऋतुक (B) तीन ऋतुक

(C) चारि ऋतुक (D) छओ ऋतुक

10. 'वर्णरत्नाकर'क विधा अछि –

(A) गद्य (B) पद्य

(C) नाटक (D) उपन्यास

11. जेकरा ईश्वर मे आस्था होइक, से कहबैत अछि –

(A) नास्तिक (B) आस्तिक

(C) शैव (D) वैष्णव

12. अपन हत्या स्वयं कयनिहार कहबैछ–

BiharboardQuestionpaper.com

(A) आत्मनिर्भर (B) आत्म प्रशंसी

(C) आत्मघाती (D) आत्मश्लाघी

13. न्यायशास्त्र जननिहार कहबैत छथि –

(A) न्यायाधीश (B) नैयायिक

(C) न्यायमूर्ति (D) पादप

14. दियादिनीक बेटी कँ कहल जाइत अछि –

(A) भगिनी (B) बेटी

(C) जैधी (D) बहिन

15. 'अधिकार' शब्दक विशेषण होइछ –

(A) अनुभव (B) अधिकारी

(C) उत्साही (D) आधिकारिक

16. 'इतिहास'क विशेषण अछि –

(A) उत्कृष्ट (B) औपनिवेशिक

(C) ऐतिहासिक (D) काल्पनिक

17. 'जड़' शब्दक विलोम होइत अछि –

(A) चेतन (B) भौतिक

(C) निद्रा (D) प्रेम

18. 'पूर्णिमा' शब्दक विपरीतार्थक अछि –

(A) राति (B) अमावस्या

(C) निशा (D) संक्रांति

19. 'कोइली' शब्दक पर्यायवाची होइछ –

BiharboardQuestionpaper.com

(A) मयूर (B) कौआ

(C) पिक (D) सुगा

20. 'पानि' शब्दक पर्यायवाची अछि –

(A) दूध (B) जल

(C) सुर (D) कुसुम

21. 'सुकर्म' शब्दमे उपसर्ग अछि –

(A) कर्म (B) सुक

(C) सु (D) सुकम

22. 'उनचास' शब्द मे उपसर्ग होइछ –

(A) चास (B) नचास

(C) उन (D) उनच

23. 'तील कँ ताड़ बनायब' मोहाबराक अर्थ होइत अछि –

(A) बचबाक कोशिश करब (B) बढ़ाचढ़ा कँ कहब

(C) शुरू करब (D) ढ़ाहि देब

24. 'दिन फिरब' मुहाबराक अर्थ अछि –

(A) असंभव बात करब (B) तरक्की होयब

(C) थोड़ मे अधिक (D) कठिन परिश्रम करब

25. 'मुल्ला मुड़ब' क अर्थ होइछ –

(A) नीक बात बुझायब (B) ठकि लेब

(C) दोष देब (D) लालच होयब

26. 'श्रीगणेश' शब्दक विलोम अछि –

BiharboardQuestionpaper.com

(A) इतिश्री (B) प्रलय

(C) गणेश–पूजन (D) पोषण

27. 'अन्हरिया' शब्द मे प्रत्यय होएत –

(A) अन्ह (B) हरिया

(C) इया (D) अन्हार

28. 'हँसोड़' शब्द मे प्रत्यय अछि –

(A) आऊ (B) औता

(C) ओड़ (D) ओ

29. 'आम'क पर्यायवाची होइछ –

(A) जामुन (B) बिल्व

(C) जम्बू (D) रसाल

30. 'पृथ्वी' शब्दक पर्यायवाची अछि –

(A) अवनि (B) पार्थिव

(C) पृथक् (D) पृथा

31. 'जे प्रतिष्ठा प्राप्त केने होथि' से कहबैत छथि –

(A) प्रतिनिधि (B) लब्धप्रतिष्ठित

(C) निर्निमेष (D) स्वयंभू

32. 'देवर्षि' शब्दक सन्धि–विच्छेद होएत –

(A) महा + ऋषि (B) देव + ऋषि

(C) यदि + अपि (D) जगत् + नाथ

33. 'पवन' शब्दक सन्धि विच्छेद अछि –

BiharboardQuestionpaper.com

(A) पो + उन (B) पौ + अक

(C) पो + अन (D) पे + अन

34. 'महीन्द्र' शब्दक सन्धि–विच्छेद होइछ –

(A) महा + इन्द्र (B) मही + इन्द्र

(C) मह + इन्द्र (D) मीह + इन्द्र

35. भाववाचक संज्ञा थिक

(A) गंगा (B) तेल

(C) दया (D) मेला

36. जतिवाचक शब्द अछि –

(A) सभा (B) दूध

(C) मनुष्य (D) गुलाब

37. जाहि शब्द कैँ खण्ड केला सँ कोनो अर्थ नहि निकलय, से कहबैछ –

(A) यौगिक (B) रूढ़ि

(C) व्युत्पत्ति (D) योगरूढ़

38. 'हिमालय' संज्ञा अछि –

(A) जातिवाचक (B) व्यक्तिवाचक

(C) समूहवाचक (D) भाववाचक

39. सर्वनाम कहल जाइत अछि –

(A) जे संज्ञा के बदला मे आबय (B) जे क्रिया के बदला मे आबय

(C) जे विशेषण के बदला मे आबय (D) जे बिना अर्थक शब्द हो

40. "अन्हरा गाम मे ...." रिक्त स्थानमे होएत –

BiharboardQuestionpaper.com

(A) कनहा राजा
(B) चौपट राजा
(C) चालाक व्यक्ति
(D) मूर्ख व्यक्ति

41. ''घर दही तँ ....'' लोकोक्ति मे रिक्त स्थान मे होएत –

(A) कोतवाल कँ डाँटए
(B) राम रखबार
(C) बाहरो दही
(D) ढोल सोहाओन

42. ''अघायल बक कँ ....'' लोकोक्ति मे रिक्त स्थान पर होएत –

(A) पोठी तीत
(B) नीम तीत
(C) गुड़ मीठ
(D) तीते तीत

43. तत्पुरूष समासक उदाहरण अछि –

(A) देवालय
(B) अष्टधातु
(C) वीरबाला
(D) माता–पिता

44. अव्ययीभाव समासक उदाहरण अछि –

(A) चतुर्भुज
(B) गौरीशंकर
(C) यथासंभव
(D) छमाही

45. एहि मे कर्मधारय समास अछि –

(A) चन्द्रवदन
(B) अकारण
(C) पोथी–पतड़ा
(D) परमात्मा

46. 'रत्नगर्भा' शब्द उदाहरण अछि

(A) अव्ययीभावक
(B) तत्पुरूषक
(C) बहुव्रीहिक
(D) द्वन्द्वक

47. 'कुलीन' शब्दक स्त्रीलिंग होइछ –

BiharboardQuestionpaper.com

(A) कुलीना (B) किशोरी

(C) कन्या (D) सुन्नरि

48. 'खबासिन' शब्दक पुल्लिंग होइत अछि –

(A) नोकर (B) खबास

(C) सेवक (D) अरदल्ली

49. 'अखड़ा' शब्दक अर्थ अछि –

(A) मेंही पीसल (B) मोट पीसल

(C) साबुत (D) दलिया

50. 'कोष' शब्दक अर्थ होइछ –

(A) खजाना (B) पेटी

(C) डिब्बा (D) मंजूषा

51. हेमन्तमे बहुलता रहैत अछि –

(A) ग्रीष्मक (B) शीतक

(C) फूलक (D) बसातक

52. 'ऋतुराज' कहल जाइत अछि –

(A) वर्षा ऋतु कँ (B) वसन्त ऋतु कँ

(C) ग्रीष्म ऋतु कँ (D) शरद ऋतु कँ

53. मैथिली साहित्यक उपलब्ध आदिग्रंथ अछि –

(A) राधा–विरह (B) दत्त–वती

(C) वर्णरत्नाकर (D) कीर्तिलता

54. ज्योतिरीश्वरक पिताक नाम छलनि –

BiharboardQuestionpaper.com

(A) चण्डेश्वर ठाकुर (B) वीरेश्वर ठाकुर

(C) धीरेश्वर ठाकुर (D) वाचस्पति ठाकुर

55. 'आइने अकबरी' लिखल अछि –

(A) अबुल फजलक (B) उमापतिक

(C) विद्यापतिक (D) ज्योतिरीश्वरक

56. ज्योतिरीश्वरक जन्म–स्थान मानल गेल अछि –

(A) टेकटारि (B) पाली

(C) भगवानपुर (D) राँटी

57. विरहिनी पर कामदेवक सर्वाधिक प्रभाव होइत अछि –

(A) वर्षा ऋतुमे (B) ग्रीष्म ऋतुमे

(C) वसंत ऋतुमे (D) हेमन्त ऋतुमे

58. 'समृद्धि'क अर्थ अछि –

(A) उन्नति (B) सुगंधि

(C) नवीनता (D) तृप्ति

59. 'मिथिला तत्त्व विमर्श' रचना छनि –

(A) परमेश्वर झाक (B) विद्यापतिक

(C) चन्दा झाक (D) उमेश मिश्रक

60. 'सीमन्तिनी' क रचनाकार छथि –

(A) आरसी प्रसाद सिंह (B) कुमार गंगानन्द सिंह

(C) गंगानाथ झा (D) परमेश्वर झाक

61. सरस्वतीक पर्यायवाची अछि –

BiharboardQuestionpaper.com

(A) सुनयना (B) कामिनी

(C) सौदामिनी (D) वागीश्वरी

62. 'अत्यधिक' शब्दक अर्थ होइछ –

(A) सम्यक् (B) अनिश्चय

(C) सब पदार्थ (D) बहुत बेसी

63. गंगानाथ झाक निधन भेलनि –

(A) 17 दिसम्बर, 1941 मे (B) 18 दिसम्बर, 1942 मे

(C) 19 दिसम्बर, 1943 मे (D) 23 दिसम्बर, 1945 मे

64. कुमार गंगानंद सिंह बिहार सरकार में मंत्री छलाह –

(A) गृह मंत्री (B) शिक्षा मंत्री

(C) पथ परिवहन मंत्री (D) खाद्य आपूर्ति मंत्री

65. 'जीवन–संघर्ष' रचनाक विधा अछि –

(A) एकांकी (B) उपन्यास

(C) कविता (D) कथा

66. भारतकँ गणतन्त्र घोषित कएल गेल –

(A) 1947 ई0 मे (B) 1948 ई0 मे

(C) 1949 ई0 मे (D) 1950 ई0 मे

67. 'अश्रुकण' कथा–संग्रह रचना छनि –

(A) उमानाथ झाक (B) मनमोहन झाक

(C) रमानाथ झाक (D) सोमदेवक

68. रूनाक पतिक नाम छलनि –

BiharboardQuestionpaper.com

(A) राजशेखर झा (B) चन्द्रशेखर झा

(C) दिवाकर झा (D) दीनबन्धु झा

69. 'प्रीतम' शब्दक अर्थ होइछ –

(A) प्रेमी (B) पति

(C) प्रियतम (D) ई सभ

70. ''अपन माथ उठा हिमालय आइयो जनिका तकै छथि'' पाँती अछि –

(A) 'आवाहन'क (B) 'अधिकार'क

(C) 'चिनगी'क (D) 'उठह कृषक'क

71. 'इतिश्री'क रचनाकार छथि –

(A) राजकमल चौधरी (B) हरिमोहन झा

(C) उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन' (D) विभूति आनंद

72. उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन' कैँ साहित्य अकादमी पुरस्कार भेटल छनि –

(A) 'फूल–डाली' पर (B) 'बाजि उठल मुरली' पर

(C) 'इतिश्री' पर (D) 'उग्रवंश–प्रशस्तिः' पर

73. झिटुकी शब्दक अर्थ होइत अछि –

(A) निष्काम (B) गोइठा

(C) माटिक फूटल बासनक छोट खंड (D) एकांत

74. पं0 गोविन्द झाक पोथी साहित्य अकादेमी द्वारा पुरस्कृत अछि –

(A) सामाक पौती (B) नखदर्पण

(C) राजा शिवसिंह (D) आत्मालाप

75. पं0 गोविन्द झा कैँ 'कामिल बुल्के पुरस्कार' भेटलनि –

BiharboardQuestionpaper.com

(A) 1987 ई0 मे | (B) 1988 ई0 मे

(C) 1990 ई0 मे | (D) 1992 ई0 मे

76. 'हम शांतिक वर लऽ अयलहुँ' पंक्ति अछि –

(A) 'कुसुम–वदना'क | (B) 'नूतन स्वर'क

(C) 'उठह कृषक'क | (D) 'बाल–लीला'क

77. सोमदेव कँ 'सहस्रमुखी चौक पर' पुरस्कार भेटलनि –

(A) साहित्य अकादेमी पुरस्कार | (B) मैथिली अकादमी पुरस्कार

(C) कामिल बुल्के पुरस्कार | (D) चेतना पुरस्कार

78. 'चानोदाइ' उपन्यास कृति अछि –

(A) आरसी प्रसाद सिंहक | (B) सोमदेवक

(C) गोविन्द झाक | (D) भुवनेश्वर सिंह 'भुवन'क

79. ''उठह कृषक झट करऽ मुख–मंजन'' पंक्ति अछि –

(A) 'विद्यापति वन्दना'क | (B) 'शरद–संगीत'क

(C) 'गोबर थिकहुँ हम'क | (D) 'उठह कृषक'क

80. 'विश्वामित्र' महाकाव्य रचना अछि –

(A) गोविन्ददासक | (B) गौरी कान्त चौधरी 'कान्त'क

(C) मंत्रेश्वर झाक | (D) उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन'क

81. 'मुदित' शब्दक अर्थ अछि –

(A) क्रीड़ा | (B) छुट्टी

(C) प्रसन्न | (D) इज्जत

82. मार्कण्डेय प्रवासीक रचना अछि –

BiharboardQuestionpaper.com

(A) हम भेटब (B) पृथ्वीपुत्र

(C) मधुश्रावणी (D) मरीचिका

83. 'हे राष्ट्र–चेतनाकेर प्रखर प्रहरी'' पंक्ति अछि –

(A) 'शरद–संगीत'क

(B) 'अग्रतः सकलं शास्त्रं पृष्ठतः सशरं धनुः'क

(C) 'हम गोबर थिकहुँ'क

(D) 'आवाहन'क

84. 'विकट पाहुन' एकांकी अछि –

(A) उमानाथ झाक (B) मंत्रेश्वर झाक

(C) मायानन्द मिश्रक (D) मनबोधक

85. 'भभटपन' शब्दक अर्थ होइत अछि –

(A) चमड़ी (B) भगल करब

(C) घातक (D) कंकाल

86. 'सपत्नीक' मे समास अछि –

(A) बहुव्रीहि (B) तत्पुरूष

(C) द्वन्द्व (D) कर्मधारय

87. द्विगु समासक उदाहरण अछि –

(A) फल–फूल (B) धीरे–धीरे

(C) सप्तशती (D) दिगम्बर

88. 'श्रीमान्' शब्दक स्त्रीलिंग रूप थिक –

(A) सौभाग्यवती (B) श्रीमती

BiharboardQuestionpaper.com

(C) श्रीमंत (D) सोहागिन

89. 'शिक्षिका' शब्दक पुल्लिंग होइछ –

(A) शिक्षार्थी (B) शिक्षा व्यसनी

(C) शिक्षक (D) छात्र

90. 'विद्यार्थी' शब्दक सन्धि–विच्छेद अछि –

(A) विद्या + आलय (B) विद्या + अर्थी

(C) विदा + अर्थी (D) विद्वान + अर्थी

91. 'ग्राम' शब्दक विशेषण अछि –

(A) गँवार (B) ग्रामीण

(C) घरैआ (D) जाहिल

92. 'पुराण' शब्दक विशेषण अछि –

(A) पौराणिक (B) प्राकृतिक

(C) पूर्वक (D) प्राच्य

93. 'अमृत' शब्दक पर्यायवाची अछि –

(A) द्विज (B) सुधा

(C) अमर (D) नीर

94. 'हनुमान' शब्दक पर्यायवाची होइछ –

(A) विश्वरूप (B) पवनसुत

(C) मुकुंद (D) विरंचि

95. 'काठक उल्लू हएब' मोहाबराक अर्थ अछि –

(A) निष्पक्ष न्याय करब (B) कृत्रिम वस्तु बनाएब

BiharboardQuestionpaper.com

(C) कठिन परिश्रम करब (D) मूर्ख बनब

96. 'कान काटब' मोहाबराक अर्थ होइछ –

(A) तेज बुद्धिक होएब (B) बदमाशी करब

(C) कम देखि पड़ब (D) अनुभवी होयब

97. ''कनही गाय कँ .... '' लोकोक्ति मे रिक्त स्थान पर होएत –

(A) भिन्ने बथान (B) अपन घर

(C) खेत मे रहब (D) दूध नहि देनाइ

98. ''अशर्फीक लूटि आ .... '' लोकोक्ति मे रिक्त स्थान पर होएत –

(A) हीरा पर छाप (B) कोइला पर छाप

(C) पीत्तरि पर छाप (D) लोहा पर छाप

99. द्रव्यवाचक संज्ञाक उदाहरण अछि –

(A) दूध (B) खीर

(C) पनीर (D) आगि

100. जाहि सँ कोनो निश्चित व्यक्ति अथवा वस्तुक बोध हो, तकरा कहल जाइत छैक–

(A) पुरूषवाचक सर्वनाम (B) सम्बन्धवाचक सर्वनाम

(C) निश्चय वाचक सर्वनाम (D) अनिश्चयवाचक सर्वनाम

खण्ड – ब

विषयनिष्ठ प्रश्न

निम्नलिखित मे कोनो पाँच लघुउत्तरीय प्रश्नक उत्तर लिखू – (5 X 2 = 10)

BiharboardQuestionpaper.com

1. थालक आधिक्य कोन ऋतु मे होइत अछि ?

2. बूढ़ देवान की सान्त्वना दऽ रनिवास मे शान्ति स्थापित कयलनि ?

3. दोपटा आ मिरजइक व्यवहार के करैत छलाह ?

4. दुरागमनक बाद चन्द्रशेखर झा एक राति रूनाक की जाँच लेलनि ?

5. सुमित्रा कोन नाटकक पात्र छथि ?

6. तिरूक कोन व्यवहार सँ अन्ततोगत्वा राधाकान्त कँ पश्चाताप भेलनि ?

7. गोबरौड़ ककरा कहल जाइछ ?

8. भारतवर्षक संस्कृतिक मुख्य पहचान की थिकै ?

9. शरद ऋतु कहियासँ प्रारम्भ होइत अछि ?

10. छात्र राष्ट्र निर्माण मे कोना भागीदार होइत छथि ?

निम्नलिखित मे कोनो तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्नक उत्तर लिखू – (3 X 5 = 15)

11. कृष्णकँ 'हरि दामोदर'क पदवी कोना भेटलनि ? वर्णन करू।

12. निबंधक परिभाषा लिखू। कतेक कोटिक निबन्धक उल्लेख अहाँक पाठ मे भेल अछि ?

13. नचारी कँ कोनो विषयगत परिसीमा मे बान्हल नहि जा सकैछ–उल्लेख करू।

14. इन्नर राजा कँ प्रसन्न करबा लेल गाम मे की सभ टोटमा कयल जाइत अछि ?

15. यज्ञभूमि कँ पवित्र बनयबा मे गोबर कोन रूपँ योगदान करैत अछि?

16. मिथिला मे वरक परिछन कोना कयल जाइत अछि ? स्पष्ट लिखू।

17. निम्नलिखित मे कोनो एक विषय पर निबन्ध लिखू – (1X8=8)

(क) अनुशासन

BiharboardQuestionpaper.com

(ख) परोपकार

(ग) विद्यापति

(घ) स्वतंत्रता दिवस

(ङ.) कोजगरा

18. निम्नलिखित मे कोनो दूटाक सप्रसंग व्याख्या करू – (2 X 4 = 8)

(क) "किन्तु–परन्तु किछु नहि। पढ़ने–लिखने आ बढ़ि कऽ धड़िंग भऽ गेने की हेतह ? अरे! अपना देश मे समाज–सेवक वा नेतालोकनिकेँ की कियो कतहु सँ दरमाहा दैत छनि ? ओ तिकड़म नहि करताह तँ खयताह की ?"

(ख) "ओम्हर सीमन्तिनी शुक्लपक्षक चन्द्रिका जकाँ प्रतिदिन तेना बढ़य लगलीह जेना थोड़हि दिन मे सोड़ह कलाक कोन कथा तकर चौगुन चौंसठि कलाक परिशीलन कऽ लेलनि।"

(ग) "कविपति विद्यापति मतिमाने।
जाक गीत जग चीत चोराओल
गोविन्द गौरि सरस रस गाने।।"

(घ) "आनन चुम्बि पयोधर धयल
सबहुँ सखी मिलि मंगल कयल
भन मनबोध हम अपन गेयान
कयलनि बालगोपालक धेआन।"

19. स्कूल फीस जमा करबा लेल रूपैयाक माँग हेतु पिताजी कँ पत्र लिखू।

(1x5=5)

BiharboardQuestionpaper.com

अथवा

रिजल्ट मे प्रायोगिक परीक्षाक नम्बर जोड़बा लेल बिहार विद्यालय परीक्षा समिति कँ आवेदन लिखू।

20. संक्षेपण करू :– (1x4=4)

साहित्य कँ समाजक दर्पण कहल गेल अछि। यथार्थतः सामाजिक जीवन मनुष्य हृदयक घात–प्रतिघात, आशा–आकांक्षाक जेहन मार्मिक चित्रण तत्कालीन साहित्य मे उपलब्ध होइत अछि तेहन अन्यत्र नहि। कहल गेल अछि जे इतिहास कँ छोड़ि सभ वस्तु फूसि रहैछ। अंगरेजी मे एकटा उक्ति छैक जकर सारांश अछि जे धीयापूता जहिना आइ खेलाइत अछि तहिना मिल्टनोक समय मे खेलाइत छल। परिस्थिति परिपार्श्वक भेदे मनुष्यक व्यवहार मे अन्तर पड़ैत अछि, किन्तु ओकर नैसर्गिक स्वभाव मे कोनो अन्तर नहि अबैछ।

अथवा

मैथिली मे नचारीक परम्परा विद्यापतिक रचना सँ आरंभ भेल। परन्तु ओ कोनो ठाम अपन शिववन्दनामूलक पद कँ नचारीक नामँ स्पष्ट कऽ परिगणित नहि कयने छथि एवं नचारीक जे अर्थ मिथिला मे रूढ़ भऽ गेल से विद्यापतिक पश्चात् कोनो–कोनो परवर्ती युग मे भेल होयत। विद्यापतिक रचनाक प्रसंग अबुल फजल अपन आइने अकबरी मे लिखने छथि जे तिरहुत भाषा मे 'नचारी'क रूप मे अभिहित कयल जायवला शब्द विद्यापति द्वारा सृजित छल तथा तीक्ष्ण श्रृंगारिक मनोभाव सँ युक्त अछि।

BiharboardQuestionpaper.com

BiharboardQuestionpaper.com

BiharboardQuestionpaper.com